DISCOVERY OF A MATERIAL WHICH HELPS IRON TO MELT

•98. SHRI V. K. DHAGE: Will the Minister of SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a material has been discovered by the Archaeological Department at Ujjain which, if mixed with iron, helps to melt it instantaneously; and

(b) if so, whether any tests have been carried out in this regard? •

THE MINISTER OF SCIENTIFIC RESEARCH AND ' CULTURAL AFFAIRS (SHRI HUMAYUN KABIR): (a) No, Sir, The material found " is Calcite which is commonly used as a flux in the melting of iron ore.

(b) Does not arise.

SHRI V. PRASAD RAO: Is it a fact that a material has been discovered to soften and melt the hearts of Ministers?

. SHRI HUMAYUN KABIR: I think the hon. Member is in possession of that secret.

MR. CHAIRMAN: The hon. Member is utterly irrelevant and you need not answer.

*99 and "100. *[For answers* vide *cols.* 835—839 infra.]

केन्द्रीय सरकार के अधीन क्लास १ और क्लास ४ के अधिकारियों के रूप में सेवा नियुक्त आदिवासी, हरिजन और पिछड़ी जाति के व्यक्ति

***१०१. श्री राम सहाय : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) केन्द्रीय सरकार के अधीन क्लास १ सर्विसेज में १९५७-५८ के अन्त में कितने व्यक्ति कार्य कर रहे थे और उनमें आदिवासी, हरिजन तथा पिछड़ी जाति के लोगों की संख्या कितनी थी ; और

(ख) उसी वर्ष के अन्त में क्लास ४ के कर्मचारियों के रूप में काम करने वाले ऐसे व्यक्तियों की संख्या कितनी थी ?

†[ADIVASIS, HARIJANS AND PERSONS OF BACKWARD CLASSES EMPLOYED AS CLASS I AND CLASS IV OFFICERS UNDER THE CENTRAL GOVERNMENT

•101. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of Class I em-pg^yees working urider the Central Government at the end of 1957-58, and the number of Adivasis, Harijans and persons belonging to the Backward Classes amongst them; and

(b) the number of such persons working as Class IV employees at the end of the same year?]

गृह-कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (**श्री बी० एन० दातार**) : (क) और (ख). एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है जिसमें भारत सरकार के मन्त्रालयों और उनके अटैच्ड और सबार्डिनेट दफ्तरों में क्लास I और क्लास IV के पदों पर काम करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या दी हुई है । [**देखिये** परिशिष्ट २१, अनुपत्र संख्या १३] इनमें से कितने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के हैं, यह संख्या भी इस विवरण में दी गई है । अन्य पिछड़े वर्गों को भारत सरकार के मातहत नौकरियों में कोई स्पेशल रिप्रैजेंटेशन नहीं दिया जाता है । इस विवरण में पहली जनवरी १९५७ तक की स्थिति बताई गई है और फिलहाल यही अन्तिम सूचना हमारे पास है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR): (a) and (b). A state- I ment showing the total number of

† English translation.